

धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आस्थातीत वृद्धि तथा है मरार नकारात्मक रख न आनाए। किसी पुराने संस्करण को पुनः कर लेने का दिन है। "आगे-आगे गौरख जागे" वाता कहलत चरितार्थ होगी। निष्ठु मे किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास

तहसीलदार